भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: *181
31 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पोषण पुनर्वास केंद्रों का कार्यकरण

***181. श्री श्रेयस एम. पटेल:**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कर्नाटक के हासन जिले में कुल कितने पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) कार्य कर रहे हैं और उनके स्थान, बिस्तरों की क्षमता और कर्मचारियों की स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार ने जिले के बच्चों में अत्यधिक तीव्र कुपोषण (एसएसएम) और मध्यम तीव्र कुपोषण (एमएएम) की व्याप्तता का आकलन किया है और मौजूदा एनआरसी सुविधाओं की पर्याप्तता का मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) एनआरसी की स्थापना, सुदृढ़ीकरण और प्रचालन के लिए विगत पांच वर्षों के दौरान स्वीकृत, जारी की गई और उपयोग में लाई गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या कर्नाटक सरकार से हासन जिले में अतिरिक्त एनआरसी स्थापित करने अथवा मौजूदा सुविधाओं का उन्नयन करने का कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर क्या कार्रवाई की गई है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार कुपोषित बच्चों की शीघ्र पहचान, रेफरल और उपचार के लिए अल्पसेवित तालुकों में अतिरिक्त एनआरसी स्थापित करने और आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों के साथ संपर्क को सुदृढ़ करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके कार्यान्वयन की अपेक्षित समय-सीमा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (ङ): विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है।

31 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न सं.181 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): कर्नाटक राज्य द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत हासन जिले में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) का विवरण नीचे दिया गया है:

एनआरसी का विवरण	1 [हासन आयुर्विज्ञान संस्थान (एचआईएमएस), हासन जिला]
बिस्तरों की संख्या	20
मानव संसाधन	1 चिकित्सा अधिकारी 1 पोषण सलाहकार 1 स्टाफ नर्स 1 रसोइया सह केयर टेकर 1 परिचर

राज्य के अनुसार, यह हासन जिले के अरासिकरे, बेल्लूर और सकालेशपुरा में कार्यशील तालुक-स्तरीय एनआरसी भी चालए जाते हैं।

(ख): सरकार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत पोषण ट्रैकर के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों में की जाने वाली वृद्धि निगरानी गतिविधियों और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य स्क्रीनिंग के जरिए गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) और मध्यम तीव्र कुपोषण (एमएएम) की व्याप्तता का आकलन करती है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत एक मजबूत, बहु-स्तरीय ढांचे के माध्यम से निगरानी की जाती है, जिसमें सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ एनपीसीसी बैठकों के दौरान अनुमोदित लक्ष्यों की तुलना में राज्य-वार प्रमुख उपलब्धियों की समीक्षा शामिल है। इसके अतिरिक्त, वार्षिक संयुक्त समीक्षा मिशन (सीआरएम) कार्यक्रम कार्यान्वयन, स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने और प्रमुख संकेतकों पर प्रगति का स्वतंत्र, वास्तविक मूल्यांकन करते हैं, जिससे राज्यों और जिलों के स्तर पर कमियों की पहचान, सुधारात्मक उपाय और जवाबदेही को मजबूत करने में सहायता मिलती है।

हासन जिले में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) और मध्यम तीव्र कुपोषण (एमएएम) के लिए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 (2019-21) का डेटा नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	संकेतक **(%)**	हासन जिला
1.	5 वर्ष से कम आयु के बच्चे जो कमज़ोर हैं	15.2
2.	5 वर्ष से कम आयु के बच्चे जो अत्यधिक कमज़ोर हैं	5.2

(ग): वित्त वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक कर्नाटक राज्य के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत एनआरसी हेतु अनुमोदित निधियों और व्यय का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(घ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त वार्षिक कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के माध्यम से सहायता प्रदान करता है। राज्य सरकार के प्रस्ताव के अनुसार एनएचएम के अंतर्गत हासन जिले में एनआरसी की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई।

(ङ): राज्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2026–27 के लिए राज्य बजट घोषणा के अनुसार, हासन जिले के चन्नारायपटना, होलेनारसिपुरा, अलूर और अराकलगुडु तालुकों के लिए तालुक स्तर के एनआरसी को स्वीकृति दी गई है।

मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार, एनएचएम कुपोषित बच्चों के प्रबंधन और रेफरल के लिए सहायक फ्रेमवर्क प्रदान करता है। इनमें परिचालन लागतों के लिए सहायता शामिल है, जिसमें माताओं के वेतन मुआवजे और आहार, भर्ती किए गए बच्चों का उपचार और विशेष आहार, मानव संसाधन और उनका प्रशिक्षण, उपकरण, एनआरसी में भर्ती बच्चों के रेफरल और फॉलो-अप के लिए आशा कार्यकर्त्ताओं को प्रोत्साहन, और बुनियादी ढांचे का रखरखाव शामिल है। फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं और पोषण सलाहकारों द्वारा, एनआरसी से छुट्टी मिलने के बाद बच्चों को उनकी आयु के अनुसार-उपयुक्त आहार देने की प्रथाओं पर परामर्श और सहायता के माध्यम से माताओं/देखभाल करने वालों की क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाता है।

संपर्कों को सुदृढ़ करने के लिए, डिजिटल पोर्टलों के माध्यम से डेटा साझा करके मध्यम और गंभीर तीव्र कुपोषण से पीड़ित बच्चों की शीघ्र पहचान द्वारा अंतर-मंत्रालयी समन्वय को सुगम बनाया जाता है।

अनुलग्नक

31 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 181 के उत्तर के भाग (ग) में उल्लिखित विवरण

वित्त वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक कर्नाटक राज्य के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत पोषण पुनर्वास केंद्रों हेतु अनुमोदन और व्यय

पोषण पुनर्वास केंद्र	कर्नाटक (रुपये लाख में)	
	एसपीआईपी अनुमोदन	व्यय
2022-23	336.68	274.51
2023-24	326.6	178.89
2024-25	389.72	120.94
2025-26	449.72	83.03
नोट: व्यय में केंद्र द्वारा जारी धनराशि, राज्य द्वारा जारी धनराशि और वर्ष की शुरुआत में अव्ययित अव्ययित राशि के सापेक्ष किया गया व्यय शामिल है। व्यय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत एफएमआर के अनुसार है और यह अनंतिम है।		

******